हिंदी एवं भाषाविज्ञान विभाग में बैठक संबंधी

आजदिनांक 05 नवंबर, 2020 को हिंदी एवं भाषाविज्ञान विभाग में विभागाध्यक्ष की उपस्थिति में अध्ययन मंडल की अध्यक्ष की अध्यक्षता में विभाग के दो डिप्लोमा

1. वर्तमान युगमें रामचरितमानस की प्रासंगिकता
2. रोजगारोन्मुखी प्रयोजनमूलक हिंदी

के पाठ्यक्रम के अनुमोदन हेतु बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें अध्ययन मंडल की अध्यक्ष सहित सभी सदस्यों की उपस्थिति रही–

डॉ. नीना उपाध्याय – अध्यक्ष, अध्ययन मंडल (मानकुंवर बाई महिला महावि. जबलपुर)

डॉ. अरुण शुक्ल मनोनीत सदस्य (महाकोशल कला एवं वाणिज्य महावि. जबलपुर)

डॉ. वंदना शुक्ला सदस्य (महाकोशल कला एवं वाणिज्य महावि. जबलपुर)

डॉ. रामेन्द्र प्रसाद ओझा सदस्य (सेंट अलायशियस महाविद्यालय, बलपुर)

कार्यवाई संबंधी विवरण–

1. 'वर्तमान युग में रामचरितमानस की प्रासंगिकता' एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्य क्रम, जो कि दो प्रश्नपत्र एवं एक परियोजना कार्य के रूप में विस्तृत पाठ्यक्रम तैयार करके कार्य परिषद् में अनुमोदन हेतु प्रस्तुत ।

2. 'रोजगारोन्मुखी प्रयोजनमूलक हिंदी' एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम, जो कि दो प्रश्नपत्र एवं एक परियोजना कार्य के रूप में विस्तृत पाठ्यक्रम तैयार करके कार्य परिषद् में अनुमोदन हेतु प्रस्तुत ।

Scanned with OKEN Scanner

हिंदी एवं भाषाविज्ञान विभाग में बैठक संबंधी

आजदिनांक 16 अगस्त, 2021 को हिंदी एवं भाषाविज्ञान विभाग में अध्यक्ष की अध्यक्षता में विभाग के दो डिप्लोमा

1. वर्तमान युगमें रामचरितमानस की प्रासंगिकता
2. रोजगारोन्मुखी प्रयोजनमूलक हिंदी

के पाठ्यक्रम के अनुमोदन हेतु बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें अध्ययन मंडल की अध्यक्ष सहित सभी सदस्यों की उपस्थिति रही –

प्रो. धीरेन्द्र पाठक – अध्यक्ष, हिंदी एवं भाषाविज्ञान विभाग, रा.दु.विवि. जबलुपर

डॉ. नीना उपाध्याय – अध्यक्ष, अध्ययन मंडल (मानकुंवर बाई महिला महावि. जबलपुर)

डॉ. अरुण शुक्ल मनोनीत सदस्य (महाकोशल कला एवं वाणिज्य महावि. जबलपुर)

डॉ. वंदना शुक्ला सदस्य(महाकोशल कला एवं वाणिज्य महावि. जबलपुर)

डॉ. रामेन्द्र प्रसाद ओझा सदस्य (सेंट अलायशियस महाविद्यालय, जबलपुर)

कार्यवाई संबंधी विवरण–

1. 'वर्तमान युग में रामचरितमानस की प्रासंगिकता' एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्य क्रम, जो कि विद्या परिषद् द्वारा अनुमोदित है, उसे यथावत स्वीकार किया गया एवं प्रश्नपत्रों में अंकों का विभाजन किया गया।
2. 'रोजगारोन्मुखी प्रयोजनमूलक हिंदी' एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम, जो कि विद्या परिषद् द्वारा अनुमोदित है, उसे यथावत स्वीकार किया गया एवं प्रश्नपत्रों में अंकों का विभाजन किया गया।

Scanned with OKEN Scanner

दि० 19/06/2019.

हिंदी एवं भाषाविज्ञान विभाग

हिंदी एवं भाषाविज्ञान विभाग, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर में आज दिनांक 19/06/2019 को एम०ए० सी०बी०सी०एस० पाठ्यक्रम के संबंधित संबंध में विभागाध्यक्ष की अध्यक्षता में अध्ययन मंडल (हिंदी) की बैठक संपन्न हुई जिसमें निम्नलिखित शामिल हुए

प्रो० नीना उपाध्याय (अध्ययन मंडल अध्यक्ष)

डॉ. कैरोलिन अब्राहम (अध्ययन मंडल सदस्य)

डॉ. वंदना शुक्ला (अध्ययन मंडल सदस्य)

विभागाध्यक्ष

अध्यक्ष
हिन्दी एवं भाषाविज्ञान विभाग
रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय
जबलपुर

Scanned with OKEN Scanner

दि. 19/06/2019.

हिंदी एवं भाषाविज्ञान विभाग

हिंदी एम०ए० सी०बी०सी०एस० पाठ्यक्रम में निम्नलिखित पाठ्य सामग्री को स्थानीयता, लैंगिक समानता और पर्यावरणीय चेतना को दृष्टिगत रखते हुए जोड़ा जा रहा है—

→ एम०ए० प्रथम सेमेस्टर के द्वितीय प्रश्नपत्र के अंतर्गत पाँचवी इकाई के द्रुत पाठ के कवि के साथ भारत की संत परंपरा में महिला संत साहित्यकारों के योगदान के रूप में —

1 – जनाबाई – जो कि महाराष्ट्र प्रांत की हैं।

2. संत ललेश्वरी – जो कश्मीर की प्रसिद्ध संत हैं।

3. आण्डाल – तमिल की एकमात्र महिला आलवार संत हैं।

को शामिल किया गया है।

→ एम०ए० प्रथम सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्नपत्र के अंतर्गत द्रुतपाठ के रूप में स्थानीय साहित्यकार के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के लिए – सनातन कुमार बाजपेयी सनातन — रास बिहारी पाण्डेय व्यंग्य उपन्यासकार

Scanned with OKEN Scanner

डॉ. श्रीराम ठाकुर दादा – व्यंग्य उपन्यासकार को शामिल किया गया है।

→ एम०ए० द्वितीय सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्न पत्र के अंतर्गत द्रुतपाठ के रूप में स्थानीय कहानीकार के रूप में

- आचार्य भगवत दुबे
- डॉ. राजकुमार तिवारी सुमित्र
- इन्द्र बहादुर खरे

को व्यक्तित्व और कृतित्व परिचय के अध्ययन के लिए शामिल किया गया है।

→ एम०ए० तृतीय सेमेस्टर के प्रथम प्रश्न पत्र आधुनिक हिंदी काव्य में ~~दुबे~~ द्रुतपाठ के लिए डॉ. इला घोष एवं डॉ. लक्ष्मी शर्मा के व्यक्तित्व और कृतित्व को शामिल किया

→ एम०ए० तृतीय सेमेस्टर के तृतीय प्रश्न पत्र नाटक निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ में यात्रा संस्मरण विधा के रूप में श्री अमृत लाल बेगड़ कृत नर्मदा तीरे-तीरे को शामिल किया।

→ एम०ए० तृतीय सेमेस्टर के चतुर्थ वैकल्पिक प्रश्न पत्र - प्रयोजनमूलक हिंदी के अंतर्गत - सोशल मीडिया की उपयोगिता को शामिल किया गया।

18/8/2021

हिंदी एवं भाषाविज्ञान विभाग अध्ययन मंडल की बैठक

हिंदी एवं भाषाविज्ञान विभाग, रा०दु०वि०वि० में आज दिनांक 18/08/2021 को हिंदी अध्ययन मंडल की बैठक आयोजित हुई। जिसमें अध्यक्ष एवं सदस्यों की उपस्थिति में विश्वविद्यालय द्वारा अपेक्षित LOCF आधारित पाठ्यक्रम निर्माण पर चर्चा हुई।

1. डॉ. नीता उपाध्याय - अध्यक्ष अध्ययन मंडल Neeta
2. प्रो० धीरेन्द्र पाठक - प्रभारी अध्यक्ष, हिंदी विभाग
3. डॉ. अरुणा शुक्ला - सदस्य
4. डॉ. रामेन्द्र प्रसाद ओझा - सदस्य

विषय - हिंदी एम०ए० अध्ययन के लिए LOCF आधारित पाठ्यक्रम - उद्देश्य, अधिगम परिणाम सहित क्रेडिट अंक के अनुसार पाठ्यक्रम को तैयार करके मान्य कराना।

निर्णय - विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्धारित LOCF आधारित पाठ्यक्रम के निर्माण किए जाने की संस्तुति स्वीकृत हुई।